केस स्टोरी: साझा से जुड़कर प्रतीक की पढ़ाई में आया निखार

बच्चे का नाम: प्रतीक
कक्षा: तीसरी

समस्या:
प्रतीक पहले पढ़ाई में कमजोर था। वह कक्षा में ध्यान नहीं देता था और होमवर्क अधूरा रह जाता था। उसकी माँ को यह समझ नहीं आता था कि वह किस तरह उसकी पढ़ाई में मदद कर सकती हैं।

साझा से जुड़ाव:
साझा के वालंटियर्स और स्कूल टीम ने प्रतीक की माँ से संपर्क किया। उन्हें बताया गया कि वे कैसे छोटी-छोटी चीजों से घर पर भी पढ़ाई में सहयोग कर सकती हैं – जैसे समय पर स्कूल भेजना, होमवर्क पूछना, और शिक्षक से बातचीत करना।

परिवर्तन:
प्रतीक की माँ अब नियमित रूप से पेरेंट्स मीटिंग में जाती हैं। वे अब जानती हैं कि प्रतीक की प्रगति कैसी है और क्या ज़रूरतें हैं। साझा से जुड़ने के बाद प्रतीक का आत्मविश्वास बढ़ा है। वह अब समय पर स्कूल जाता है, होमवर्क पूरा करता है और कक्षा में अब पढ़ाई में ध्यान देता है, पढ़ाई से जुड़ी गतिविधियों में आगे रहता है।

नतीजा:
तीन महीनों में ही प्रतीक की पढ़ाई में काफी सुधार आया है। वह अब कक्षा में अच्छे अंक ला रहा है। शिक्षक उसकी पढ़ाई में की गई मेहनत और उसकी माँ के सहयोग की तारीफ करते हैं।